आये है दिन नवरातों के मेरी मैया के जगरातों के

आये है दिन नवरातों के,
मेरी मैया के जगरातों के,
जिस घर में माँ की,
ज्योत जगाई जाती है,
माँ नवरातों में,
धन बरसाने आती है।bd।

देखे – जगराते की रात है।

तू खर्चा कर नवरातों में,
तू खर्चा कर जगरातों पे,
फिर देख तू माँ कैसे,
तक़दीर बनाती है,
माँ नवरातों में,
धन बरसाने आती है।bd।

जिस घर में होते नौरातें,
वहां माँ के पैर है पड़ जाते,
उस घर की लुगाई,
सेठानी कहलाती है,
माँ नवरातों में,
धन बरसाने आती है।bd।

जब देती माँ देती जाए,
लाखों के करोडों बन जाए,
महंगी चीजें सस्ती लगने,
लग जाती है,
माँ नवरातों में,
धन बरसाने आती है।bd।

तेरी किस्मत बंद है ताले में,
और चाबी माँ के हवाले में,
कहता है 'पवन',
मैया वो चाबी घुमाती है,
माँ नवरातों में,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

धन बरसाने आती है।bd।

आये है दिन नवरातों के,
मेरी मैया के जगरातों के,
जिस घर में माँ की,
ज्योत जगाई जाती है,
माँ नवरातों में,
धन बरसाने आती है।bd।

गायक – राजू मेहरा जी।

https://youtu.be/Py8WN23d2K0

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com